सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 139 | जौनपुर, मंगलवार, 07 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के लघु सचिवालय भवन में आग लगी

चंडीगढ, (एजेंसी) चंडीगढ़ में सेक्टर–17 स्थित हरियाणा के लघु सचिवालय भवन में रविवार को आग लग गई। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दोपहर में इमारत की तीसरी मंजिल पर आग लग गई, जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने कहा, रविवार को छुट्टी होने के कारण तीसरी मंजिल पर स्थित दो कमरों में जब आग लगी, तब वहां कोई नहीं था। परिसर में ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने धुआं निकलता देखा और दमकल विभाग को सूचित किया। उन्होंने कहा, चूंकि, अग्निशमन केंद्र सड़क के उस पार ही है, इसलिए हमारे कुछ कर्मियों ने भी धुआं देखा और तुरंत दमकल की पांच गाड़ियां भेजी गईं। अधिकारियों के अनुसार, आग पर 15–20 मिनट में काबू पा लिया गया।

यूनियन कार्बाइड की अपशिष्ट निपटान संबंधी याचिका पर कल हो सकती है सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट निपटान से जुड़े मामले पर सोमवार को सुनवाई कर सकता है। भोपाल से करीब 250 किलोमीटर दूर धार जिले के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के 337 टन अपशिष्ट का निपटान किए जाने के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस दौरान दो लोगों ने आत्मदाह का प्रयास भी किया है। रविवार को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार, इस मामले को छह जनवरी के लिए मुख्य न्यायाधीश एसके कैत और न्यायाधीश विवेक जैन की खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया है।

युवा धर्म, जाति का दुरुपयोग करने वाली विभाजनकारी ताकतों से दूर रहें :सिद्धरमैया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को दावा किया कि विभाजनकारी ताकतें कर्नाटक और देश में शांति को बाधित करने के लिए धर्म और जाति का दुरुपयोग कर रही हैं, जिससे प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने युवाओं से ऐसी ताकतों से दूर रहने और अपने भविष्य की रक्षा करने का आह्वान किया। यहां राज्य स्तरीय युवा महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान युवाओं में सामाजिक रूप से जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। सिद्धरमैया ने कहा, ''जब युवा सामाजिक चेतना के साथ बढ़ते हैं, तो वे राष्ट्र की संपत्ति बन जाते हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्हें वैज्ञानिक और तर्कसंगत शिक्षा लेनी चाहिए, समान अवसर पैदा करने चाहिए और समाज की प्रगति में योगदान देना चाहिए।'' उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा, ''संविधान का सार सभी को समझना चाहिए। यह सभी नागरिकों के लिए आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है और सभी को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने की अनुमति देता है। इस संविधान की वजह से ही मैं मुख्यमंत्री बन सका।

पीएम मोदी ने हैदराबाद के नए रेलवे टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी सोमवार को हैदराबाद में चरलापल्ली रेलवे टर्मिनल का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। चरलापल्ली रेलवे स्टेशन पर आयोजित होने वाले समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार और अन्य शामिल होंगे। हैदराबाद के पूर्वी हिस्से में स्थित यह टर्मिनल हैदराबाद–सिकंदराबाद जुड़वां शहरों के क्षेत्र में चौथा यात्री टर्मिनल है। इससे सिकंदराबाद, हैदराबाद और काचेगुडा के अन्य रेल टर्मिनलों पर भीड़भाड़ कम होने की उम्मीद है। शहर की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए जुड़वां शहरों के पश्चिमी हिस्से में लिंगमपल्ली को एक और टर्मिनल स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। 413 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चरलापल्ली नया टर्मिनल चार अतिरिक्त उच्च स्तरीय प्लेटफार्मों के साथ अतिरिक्त 15 जोड़ी ट्रेनों को संभाल सकता है। मौजूदा पांच प्लेटफार्मों को भी पूरी लंबाई वाली ट्रेनों को समायोजित करने के लिए बढ़ाया गया था। अन्य 10 लाइनें उपलब्ध हैं, जिससे कुल क्षमता 19 लाइनों की हो जाती है। नई सुविधा में दो विशाल फुट ओवरब्रिज तथा लिफ्ट और एस्केलेटर शामिल हैं। 12 मीटर चौड़ा फुट–ओवर–ब्रिज सभी प्लेटफॉर्म को सभा स्थल से सीधे जोड़ता है, जबकि छह मीटर चौड़ा फुट– ओवर–ब्रिज अंतर –प्लेटफॉर्म आवागमन के लिए है। स्टेशन की इमारत में छह बुकिंग काउंटर, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग–अलग प्रतीक्षालय, साथ ही एक उच्च श्रेणी का प्रतीक्षालय और भूतल पर एक लाउंज शामिल है। इसके अतिरिक्त पहली मंजिल पर एक कैफेटेरिया, रेस्तरां और शौचालय की सुविधा है। सभी 9 प्लेटफॉर्म पर एस्केलेटर और लिफ्ट होंगी। कुल सात लिफ्ट और यात्रियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए छह एस्केलेटर होंगे। स्टेशन पर ट्रेनों के आरंभ और समापन की सुविधा के लिए इसमें कोच रखरखाव की सुविधा भी होगी। इस बीच यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधाएं प्रदान करने और सिकंदराबाद/ हैदराबाद रेलवे स्टेशनों पर भीड़भाड़ कम करने के उद्देश्य से दक्षिण मध्य रेलवे ने दो एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशन बदल दिए हैं। ट्रेन संख्या 12603/12604 चेन्नई सेंट्रल–हैदराबाद–चेन्नई सेंट्रल का टर्मिनल 7 जनवरी से हैदराबाद से बदलकर चरलापल्ली कर दिया जाएगा।

जब भी राष्ट्र–धर्म के सामने चुनौती आई तो मुकाबला करने के लिए तैयार रहा जनजातीय समुदाय : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती श्जनजातीय दिवसश् के रूप में घोषित की। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष होने के कारण यह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री योगी ने श्जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम– 2025श् के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की। सीएम ने विपरीत मौसम में भी उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आए युवाओं का स्वागत किया। सीएम योगी ने युवाओं को बताया कि यूपी देश की सबसे बड़ी आबादी का राज्य है। यहां 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। 75 जनपद, 18 मंडल, 350 से अधिक तहसीलें, 825 से अधिक विकास खंड, 17 नगर निगम, 200 से अधिक नगर पालिका परिषद और 400 से अधिक नगर पंचायतें हैं। यह प्रकृति और परमात्मा की विशेष भूमि है।

पीएम मोदी मानते हैं कि कांग्रेस ने दिल्ली को आबाद और 'आप' ने बर्बाद किया : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली। नई दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने रविवार को आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में दिए उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने आप सरकार 10 सालों से दिल्ली को बर्बाद करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, ष्प्रधानमंत्री ही नहीं, दिल्ली की जनता भी कह रही है कि दिल्ली को आम आदमी पार्टी ने बर्बाद किया है। अच्छी बात है की भारतीय जनता पार्टी भी इसको मान रही है, उनके इस बयान का मैं स्वागत करूंगा। जब वो मानते हैं कि श्आपश् ने दिल्ली को बर्बाद किया है, तो यह भी मानते हैं कि कांग्रेस ने दिल्ली को आबाद किया था।ष् उन्होंने आगे कहा, ष्दिल्ली को अगर किसी ने बनाया है तो कांग्रेस पार्टी ने बनाया है। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार और कार्यकर्ता के रूप में हम सारी जनता से कहते हैं कि वो प्रधानमंत्री मोदी को ध्यान से सुनें, क्योंकि वो कह रहे हैं कि दिल्ली को आम आदमी पार्टी की सरकार ने बर्बाद किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के रोहिणी स्थित जापानी पार्क में परिवर्तन रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने दिल्ली में इस बार कमल खिलने की उम्मीद जताते हुए आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा, ष्मैं दिल्लीवासियों से एक विशेष अनुरोध करना चाहता हूं। दिल्ली और आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मैं आपसे अनुरोध करने आया हूं कि आप भाजपा को एक अवसर प्रदान करें। ये भाजपा ही है जो दिल्ली का विकास कर सकती है। उन्होंने आगे कहा, बीते 10 साल में दिल्ली ने जिस तरह की राज्य सरकार देखी है, वो किसी आप–दा से कम नहीं है। यह एहसास आज दिल्ली वालों को अच्छे से हो चुका है, इसलिए अब दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही है, श्आप–दाश नहीं सहेंगे, बदल के रहेंगे। अब दिल्ली विकास की धारा चाहती है और मुझे खुशी है कि दिल्ली का विश्वास भाजपा पर है। भाजपा पर ये विश्वास इसलिए है, क्योंकि भाजपा सुशासन लाने वाली पार्टी है। भाजपा सेवाभाव से काम करने वाली पार्टी है, भाजपा सपनों को पूरा करने वाली पार्टी है।

भाजपा के सदस्यता अभियान में शामिल हुए मंत्री पीयूष गोयल, विकास कार्यों पर की चर्चा

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के दहिसर में रविवार को भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मध्य्य और उत्तर मुंबई में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने देश को नई दिशा दी है, और आज पूरा देश बीजेपी के साथ जुड़ने की इच्छा रखता है। हमारा लक्ष्य है कि हम घर–घर पहुंचे, लोगों को अपने साथ जोड़ें और 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करें। प्रधानमंत्री जी ने पिछले 10 वर्षों में जो महान कार्य किए हैं, उनकी बदौलत देश नई ऊंचाइयों तक पहुंचा है। अब जनता ने जो आशीर्वाद दिया है, उसे ध्यान में रखते हुए, हम आने वाले दिनों में ट्रिपल इंजन की सरकार को मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, ताकि हम जनता की सेवा कर सकें और क्षेत्र, मुंबई, प्रदेश और देश को आगे बढ़ा सकें। हम सभी भाजपा के सदस्य बनने और पीएम मोदी को और ताकत देने के लिए आभारी हैं, ताकि वे देश की सेवा में और प्रगति कर सकें। उन्होंने कहा, ष्गोरेगांव से अर्बन लाइन यहां तक सेवा आ चुकी है और साथ ही कोंकण जाने वाली ट्रेन भी शुरू हो गई है, जैसा कि मैंने गणपति विसर्जन से पहले वादा किया था। अब हर हफ्ते दो ट्रेन चल रही है और ये पूरी तरह से पैक जा रही है। इसके अलावा,

मेट्रो विस्तार भी जोर पकड़ रहा है। मुंबई की मेट्रो सबसे बड़ी होगी, यह हमारे लिए खुशी की बात है। मुंबई के लोगों की सुविधा के लिए यह एक बड़ा तोहफा है। उन्होंने कहा, कोस्टल रोड भी अब नरीमन प्वाइंट से बांद्रा तक 12–13 मिनट में पहुंचने की सुविधा दे रही है। और इसका काम जल्द पूरा होगा। मैंने हाल ही में इस पर विस्तार से चर्चा की थी और 45 दिनों में वर्सोवा से भयंदर तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है, जिसमे कांदिवली, मलाड, बोरीवली और दहिसर के क्षेत्र भी कवर हो जाएंगा। इसके साथ ही, संजय गांधी नेशनल पार्क से एक टनल और एक एरियल कॉलोनी से दूसरी टनल का काम भी किया जा रहा है।

सोरेन मंईयां सम्मान योजना के तहत 56 लाख महिलाओं को वित्तीय सहायता पहुंचायेंगे

झारखंड, (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को मंईयां सम्मान योजना के तहत 56 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में दो महीने के लिए 5,000–5000 रुपये की वित्तीय सहायता पहुंचायेंगे। यह समारोह पहले पिछले वर्ष 28 दिसंबर को निर्धारित था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री

मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक के कारण स्थगित कर दिया गया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री नामकुम में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच वित्तीय सहायता वितरित करेंगी, जिसमें तीन लाख से अधिक लाभार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। झामुमो के एक पदाधिकारी ने बताया कि दिसंबर और जनवरी दोनों महीनों की किस्तें एक साथ हस्तांतरित की जाएंगी।

शीश महल को घोषित किया जाना चाहिए पर्यटन स्थल : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार परवेश वर्मा ने आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि उनके आधिकारिक घर को पर्यटन स्थल घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि इसके निर्माण में कथित तौर पर करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। भाजपा के पूर्व सांसद वर्मा को पार्टी ने शनिवार को नई दिल्ली से अपना उम्मीदवार नामित किया था। 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में उन्हें अरविंद केजरीवाल की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। परवेश वर्मा ने कहा कि मैंने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को श्शीश महलश् देखने की अनुमति दी जाए, क्योंकि यह उनके कर और विकास के पैसे से बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि श्शीश महलश् को पर्यटन स्थल घोषित किया जाना चाहिए ताकि दिल्ली के लोगों को पता चले कि केजरीवाल ने उन्हें कैसे लूटा। उन्होंने कहा कि शीश महल को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए। दिल्ली के लोगों को पता होना चाहिए कि जिसने दिल्ली को लूटा, गद्दारी की, जिसने अपने सपने बेचे, उसने श्शीश महलश् कैसे बनवाया। मैं चाहता हूं कि दिल्ली की जनता महाठग अरविंद केजरीवाल की असलियत देखे। प्रवेश वर्मा दिल्ली के पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे हैं। कांग्रेस ने नई दिल्ली में दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारा है। 2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 70 में से 62 सीटें जीतीं और बीजेपी ने आठ सीटें हासिल कीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास का नवीनीकरण जांच के दायरे में आ गया है, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट से पता चला है कि मार्च 2022 तक इस परियोजना पर 33 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए थे – जो कि 7.9 करोड़ रुपये के शुरुआती अनुमान से कहीं अधिक था। सीएजी ऑडिट में 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले के लिए खरीदी गई कई उच्च मूल्य वाली वस्तुओं पर प्रकाश डाला गया है। दावा किया जा रहा है कि इनमें 28.9 लाख रुपये की कीमत वाला 88 इंच का व्स्म्क टीवी, 43.9 लाख रुपये का दस 4ज्ञ वदल व्स्म्क टीवी शामिल हैं। 3.2 लाख रुपये का सैमसंग मल्टी–डोर रेफ्रिजरेटर और दो स्टीम ओवन के लिए 6.5 लाख

रुपये। अन्य खरीदारी में 1.9 लाख रुपये की वॉशिंग मशीन, 1.8 लाख रुपये का माइक्रोवेव और बिस्तर और सोफे पर 13 लाख रुपये खर्च शामिल हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 19.5 लाख रुपये की लागत से जकूजी, सौना और स्पा सहित अतिरिक्त लक्जरी सुविधाएँ स्थापित कीं। इसके अलावा, एक अलग स्थान पर सात नौकर क्वार्टरों के निर्माण पर 19.8 करोड़ रुपये खर्च किए गए। 21,000 वर्ग फुट में फैले बंगले में आठ शयनकक्ष, तीन बैठक कक्ष, दो रसोई और 12 बाथरूम शामिल हैं। स्थापित सुविधाओं में जिम, रसोई और यहां तक द्यकि शौचालय जैसी जगहों पर 75 बोस सीलिंग स्पीकर और 50 इनडोर एयर कंडीशनर शामिल हैं।

अगर किसानों का कोई विषय है तो उन्हें जाना चाहिए सरकार के पास : हरविंदर कल्याण

करनाल, (एजेंसी)। विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने कहा कि हरियाणा की सैनी सरकार किसानों के कल्याण के लिए तमाम काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समय– समय पर जो मागें आती हैं, हमारी सरकार उन पर भी विचार करती है। मेरा मानना है कि सभी को मिलकर चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि चर्चा से ही बहुत सी चीजें आगे बढ़ती है और समाधान का रास्ता निकलता है। अगर किसानों का कोई विषय है तो उन्हें सरकार के पास जाना चाहिए। आगामी नगर निगम चुनाव को लेकर स्पीकर हरविंदर कल्याण ने कहा कि चाहे लोकसभा चुनाव की बात है या विधानसभा चुनाव की या स्थानीय निकायों

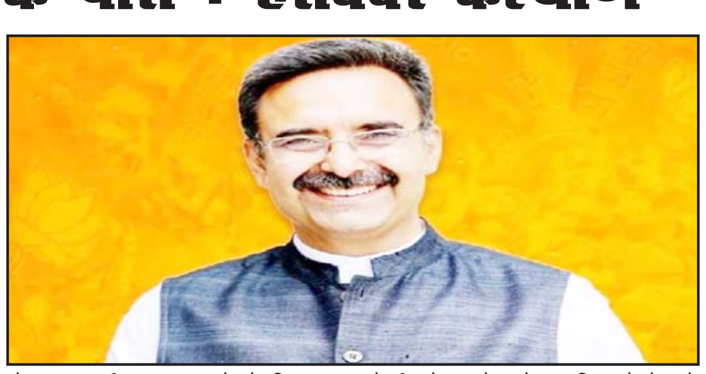

के चुनाव की, इन चुनावों से विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। हरियाणा के ऐसे बहुत से नगर निकाय है, जहां पर अभी चुनाव होने बाकी है। जल्द ही उसका शेड्यूल आने वाला है। केंद और प्रदेश में भी पहले से ही भाजपा की सरकार है। सरकार का एक संकल्प है लगातार विकास कार्य तेजी से आगे बढ़े, ताकि लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा उपलब्ध हो सके। हम सब एक टीम की तरह मिलकर काम कर रहे हैं। वहीं शनिवार को हरियाणा के फतेहाबाद के टोहाना में शनिवार को किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। बैठक में पहुंचे ।

सामाजिक कार्यकर्ता का चरित्र शुद्ध और जीवन होना चाहिए निष्कलंक : अन्ना हजारे

अहमदनगर, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि गांव में मीडिया से बात करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि समाज और राष्ट्र हित को ध्यान में रखकर कार्यकर्ताओं को काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर संगठन मजबूत करना हो तो कार्यकर्ताओं का चरित्र शुद्ध होना चाहिए। साथ ही जीवन निष्कलंक होना चाहिए, जीवन में त्याग करने आना चाहिए और अपमान सहन करने की शक्ति होनी चाहिए। जब आचार विचार शुद्ध होता है तब किसी कार्यकर्ता की बात का वजन और महत्व होता है। लोग उसे सुनते है।

सरकार को वक्फ की सारी जमीन ले लेनी चाहिए : साध्वी ऋतंभरा

मुंबई, (एजेंसी)। साध्वी ऋतंभरा ने रविवार को मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए वक्फ के नाम पर देश की जमीन को हथियाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लोग वक्फ के नाम पर पूरे भारत की जमीन हथियाने की कोशिश कर रहे हैं। इस षड्यंत्र को असफल कर देना चाहिए। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में शुरू होने वाले कुंभ मेले पर कहा कि योगी आदित्यनाथ ने इस बार जिस तरह से कुंभ की व्यवस्था की है, वह सचमुच अभिनंदनीय है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, ष्यह लोग वक्फ के नाम पर पूरे भारत की जमीन हथियाने की कोशिश कर रहे हैं। इस षड्यंत्र को असफल कर देना चाहिए। वक्फ बोर्ड ने जिस तरीके से अवैध रूप से जमीन कब्जा की है। वह सारी जमीन सरकार की हो जानी चाहिए। देशवासियों के साथ बहुत गलत हो रहा है। इसके बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन पर हो रही राजनीति के सवाल पर उन्होंने कहा,ष्ऐसा कुछ नहीं है। कुंभ पर कोई राजनीति नहीं हो रही है। कुंभ धर्म और पुण्य अर्जित करने का स्थान है। योगी आदित्यनाथ ने इस बार जिस तरह से कुंभ की व्यवस्था की है, वह सचमुच अभिनंदनीय है। बता दें कि इस बार उत्तर प्रदेश की सरकार कुंभ मेले को डिजिटल कुंभ बना रही है। पुलिस के जवानों की कागज पर दर्ज होने वाली हाजिरी महाकुंभ में डिजिटल हाजिरी हो गई है। महाकुंभ–2025 में ड्यूटी के लिए आए सभी पुलिसकर्मियों को मेले में ड्यूटी के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण ले रहे सभी पुलिस कर्मियों की अटेंडेंस बायोमेट्रिक तरीके से दर्ज हो रही है। प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ–2025 में 40 करोड़ श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराने के लिए लगभग 50 हजार पुलिस कर्मी तैनात होंगे। एसएसपी कुंभ मेला राजेश द्विवेदी ने बताया कि कुंभ मेले में आए पुलिस कर्मियों का सॉफ्ट स्किल, आपदा प्रबंधन, भौगोलिक स्थितियों की जानकारी आदि के लिए प्रशिक्षण चल रहा है।

संपादकीय

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह, डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता–पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता–पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचौट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता–पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता–पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला–बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

हत्या पर उठते सवाल

दीपक

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में कार्यरत पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की नृशंस हत्या से एक ओर तो राज्य सहित पूरा देश स्तब्ध है, तो वहीं इस घटना ने फिर से साबित कर दिया है कि भारत में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा हो गया है। अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज–बीन शुरू की। समझा जाता है कि उन्हें बीजापुर के ही एक बड़े ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर के परिवार के किसी सदस्य का उन्हें फोन आया था जो मुकेश से मिलने के इच्छुक थे। कुछ ही दिन पहले मुकेश ने अपने यूट्यूब चौनल पर सुरेश चन्द्राकर द्वारा बनवाई जा रही मिरतूर–गंगालूर सड़क में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विस्फोटक खबर चलाई थी। अनुमान लग रहे हैं कि इसके चलते मुकेश की हत्या की गयी है। उनका शव 3 जनवरी की शाम को चन्द्राकर के परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट के नीचे सेप्टिक टैंक में मिला। यह भी बताया जाता है कि पुलिस इस टैंक को तोड़ने के पक्ष में नहीं थी लेकिन अन्य पत्रकारों के जोर देने पर उसे तोड़ा गया। इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दुनिया भर में लड़ाइयों, गृह युद्धों, आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में पत्रकार अपना उत्तरदायित्व निभाते हुए प्राण गंवाते हैं। वैसे ही अब भारत में पूंजीपतियों व कारोबारियों के खिलाफ लिखना भी खतरनाक हो गया है। यदि ऐसे धन्ना सेठों का गठजोड़ राजनेताओं से, विशेषकर सत्ता पक्ष से है तो समझिये कि उनके खिलाफ या उनके व्यवसायिक हितों पर चोट करने वाली कोई भी खबर लिखनी या दिखानी खुद को संकट में डालने जैसा हो गया है। हाल के वर्षों में एक तरह से व्यवसायियों और नेताओं के बीच अघोषित सी संधि बनी हुई है जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष परस्पर हितों का संरक्षण करते हैं। कारोबारी सियासतदानों को चुनाव के वक्त और जरूरी मौकों पर आर्थिक मदद देते हैं। इसके बदले में नेता यदि सत्ता में हों तो उनके व्यापार को संरक्षण देने और उनके मार्ग में आने वाले अवरोधों को खत्म करने का काम करते हैं।विपक्ष में रहकर भी राजनीतिक व्यक्ति व दल अन्य तरीकों से उनकी मदद करते हैं। इनमें प्रमुख तो यही है कि विरोधी दल उन्हें बख्श दें। यानी उनके कामों पर उंगलियां न उठायें। बहरहाल, नये भारत में, यानी 2014 के बाद से सत्ता पक्ष और अखबारनवीसी के रिश्ते भी बदले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से संवाद के तरीकों में कुछ ऐसा परिवर्तन किया है कि उसमें मीडिया को अनिवार्यतरू सत्ता पक्ष का एक तरह से सक्रिय सहयोगी बना दिया गया है। यहां सत्ताधारी दल से तात्पर्य भारतीय जनता पार्टी से है। उसने प्रकारान्तर से मीडिया पर पूर्णतरू अधिकार सा कर लिया है। मीडिया सत्ता ही नहीं, भाजपा की भाषा बोलने में भी पारंगत हो गया है। सरकार के नजदीकी व्यवसाय समूहों ने मीडिया को खरीदकर खुद और सत्ता की सेवा के काम में लगा रखा है। स्वाभाविक है कि इसका उद्देश्य विरोध के स्वर को खत्म करना है, फिर चाहे वह सरकार का विरोध हो या फिर कारोबारियों का। मुख्यधारा का मीडिया आज ज्यादातर इन दो समूहों के एजेंडे को पूरा करने में व्यस्त है– सरकार व सत्ता पक्ष के राजनीतिक एजेंडे तथा कारोबारियों के व्यवसायिक हितों को संरक्षित और संवर्धित करने के। पूरी दुनिया की ही तरह भारत में एक समांतर मीडिया भी खड़ा हो गया है जो किसी के एजेंडे को चलाने या उस पर चलने के बजाये स्वतंत्र चेतना व विवेक रखता है, लेकिन उसे एक बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। फिर वह कोई समूह हो या पत्रकार। मुकेश पत्रकारिता की उसी धारा के तहत काम करते थे। कुछ मीडिया समूहों में काम करने के बाद उन्होंने अपना स्वतंत्र प्लेटफॉर्म बनाया तथा बस्तर के बुनियादी मुद्दों से वे जूझ रहे थे। माओवाद की भीतरी कंदराओं से लेकर विकास के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार, कारोबारियों को बचाने वाले तत्वों तथा ऐसा हर वह मसला उनकी पत्रकारिता का विषय था जिसका सरोकार आमजन से है। ग्रामीण और आदिवासी लोगों के कई मुद्दों को उठाने का उन्हें श्रेय जाता है।

खातेदारों के भरोसे को कायम करने की चुनौती

सुरेश

पिछले दशकों में देश की आर्थिक दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की कोशिशें की जाती रही हैं। नरसिम्हा राव की सरकार के दौरान शुरू की गई उदार आर्थिक नीतियों को अब एक नया आयाम दिया जा रहा है। इस प्रयास के तहत, देश की विकास दर, व्यवसाय और निवेश को गति देने के लिए निजी क्षेत्र को प्राथमिकता दी जा रही है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र को पूरी तरह से कमजोर नहीं किया जा सकता, क्योंकि प्रजातांत्रिक समाजवाद का उद्देश्य उसे प्रोत्साहित करना है, लेकिन अब सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच एक नया संतुलन स्थापित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, सार्वजनिक क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ रही है, जो आर्थिक विकास के नए रास्ते खोल रही है। स्व. इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने बैंकिंग क्षेत्र को व्यापक रूप से प्रभावित किया। इसके बाद, सार्वजनिक बैंकों का विलय और निजी बैंकों का उत्थान आर्थिक संरचना में बदलाव में सहायक बने। आज निजी बैंकों में रोजगार की संख्या सार्वजनिक बैंकों से अधिक हो गई है, लेकिन इस प्रगति ने कुछ विसंगतियों को जन्म भी दिया है। वर्तमान में, आरबीआई की मौद्रिक नीतियों का असर बैंकिंग क्षेत्र पर गहरा है, लेकिन रैपो रेट में परिवर्तन न होने के कारण निवेशकों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके परिणामस्वरूप, मुद्रा प्रवाह में अस्थिरता बढ़ी है और निवेशक विदेशों में अधिक लाभ की तलाश में हैं। बहरहाल, बैंकिंग क्षेत्र के बिना डिजिटल अर्थव्यवस्था की कल्पना असंभव है, क्योंकि पेपरलेस कार्यप्रणाली और आधुनिकीकरण से बैंकिंग में सुधार किया जा रहा है। नये वर्ष के आगमन के साथ्ही भारत की डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था ने एक नई दिशा तो ली, लेकिन ग्राहकों की शिकायतें 32.8 प्रतिशत बढ़ गई हैं, जो डिजिटल परिवर्तन के प्रभाव पर सवाल उठाती हैं। जबकि सार्वजनिक बैंकों का विलय जारी है, निजी बैंक भी अपेक्षित गति से निवेश नहीं बढ़ा पा रहे हैं और न ही ग्राहक सेवा में सुधार कर पा रहे हैं। इसकी मुख्य वजह निजी बैंकों में कर्मचारियों की कमी और नौकरी छोड़ने की उच्च दर है, जिससे संस्थागत ज्ञान की हानि हो रही है। इसके अलावा कृत्रिम मेधा और डिजिटल शक्ति का पूरी तरह से उपयोग नहीं हो पा रहा है। हालांकि, यूपीआई भुगतान सुविधाजनक है, लेकिन बैंकिंग धोखाधड़ी में 28 प्रतिशत की वृद्धि ने ग्राहकों का विश्वास हिलाया है। उपभोक्ता हमेशा उम्मीद करते हैं कि रैपो रेट में कटौती की जाए, जिससे उन्हें सस्ते कर्ज मिलेंगे और उनकी ईएमआई घटेगी। लेकिन ऐसा नहीं होता, और इस कारण बैंकों में विकास, विस्तार और लाभ की गति में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है। भारत में लोगों के पास अकूत सोना है, जो आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा का एक अहम स्रोत माना जाता है। हालांकि देश सोने का बड़ा उत्पादक नहीं है, लेकिन यदि बैंकिंग व्यवस्था सही तरीके से विकसित होती, तो स्वर्ण बांड्स का प्रचार–प्रसार अधिक होता। निजी वित्तीय संस्थानों ने स्वर्ण बांड्स को प्राथमिकता दी है, लेकिन वे आम जनता में विश्वास नहीं जगा सके और उन्हें अपने सोने

को बांड्स में निवेश करने के लिए प्रेरित नहीं कर पाए। नये वर्ष में गोल्ड बांड्स की सीमाओं और संभावनाओं पर पुनः विचार किया जाना चाहिए और लोगों को अपने घर में रखे सोने को स्वर्ण बांड्स में निवेश करने के लिए उत्साहित किया जाना चाहिए। हालांकि हम यह कहते हैं कि नया युग मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग का है, लेकिन उपभोक्ताओं की शिकायतों पर विचार करना जरूरी है। आंकड़े दर्शाते हैं कि बैंकिंग से संबंधित शिकायतें लगातार बढ़ी हैं, वहीं दूसरी ओर जमा खातों से जुड़ी शिकायतों में भी इजाफा हो रहा है। इन शिकायतों का समाधान तत्काल किया जाना चाहिए, ताकि बैंकों के प्रति उपभोक्ताओं का दृष्टिकोण सकारात्मक बना रहे। तभी हम डिजिटल बैंकिंग के इस नये रूप का सही तरीके से उपयोग कर सकते हैं, जो देश के आर्थिक और निवेश नवाचार में योगदान कर सके। बैंकिंग, कृत्रिम मेधा और डिजिटल पावर का उपयोग देश की आर्थिक तरक्की के लिए किया जा सकता था, लेकिन आम लोगों में कृत्रिम मेधा के प्रति अविश्वास उसके गलत इस्तेमाल के कारण उत्पन्न हो रहा है। साइबर अपराधियों ने इन तकनीकों का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया है, जिससे 5जी और 6जी जैसी नई तकनीकों के प्रति विश्वास भी कमजोर हुआ है। जहां एक ओर हम डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का दावा करते हैं, वहीं ठग और धोखेबाज मासूम खातेदारों के खातों से पैसा चुराकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर देते हैं। पुलिस इसका कोई ठोस समाधान नहीं कर पा रही है। नये वर्ष के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि साइबर अपराध रोकने और कृत्रिम मेधा के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाएंगे, ताकि बैंकिंग क्षेत्रों में बढ़ती समस्याओं को समाप्त किया जा सके।

सांस्कृतिक विरासत के प्रति लोगों का रुझान बढ़ाएं

ज्योति

नये साल का सबसे बढ़िया तोहफा, जो आप खुद को दे सकते थे, वह रहा भूपेन खाखर, जे. स्वामीनाथन और केजी सुब्रमण्यन की संगति। इसकी सबसे बढ़िया बात यह है कि यह सोहबत आपको किसी अन्य के साथ बांटने की जरूरत नहीं पड़ती। रामचंद्रन अपने काम में कहीं इधर–उधर विचरते दिखाई देते हैं। मेधावी नलिनी मालनी अपनी ही दुनिया में डूबी हुई हैं, इसलिए आपको निजता में किसी के खलल के बारे में सोचने की जरूरत नहीं दृ देखिए तो उन्हें कहां स्थान दिया गया है, एक कदम पीछे हटकर, उन्हें सभी कोणों से देखें, जिसमें पार्श्व हिस्सा भी शामिल है। आप पाएंगे कि कैनवास पर बने सभी तैलीय चित्र दीवार पर सुतली से लटके कार्ड–बोर्ड के टुकड़े पर चिपके हुए हैं। आप अपनी पीठ पर रोमांच से उठने वाली सिहरन के प्रलोभन को महसूस करते हैं, जो आपको करना तो नहीं चाहते लेकिन फिर भी आप जानते हैं कि यह हो जाता है। आपको इस पर काबू रखना ही होगा। अब समय है चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय के ललित कला संग्रहालय की अगली गैलरी में सजे आधुनिक मास्टर पेंटरों की ओर बढ़ने का। वैसे तो इस लेख का शीर्षक आसानी से हो सकता था : 'एक पेंटिंग कैसे चुराई जाए और कैसे इसके साथ जाएं'– सिवाय इसके कि ऐसा कुछ है नहीं। यह सब पेंटिंग्स बेहद कीमती हैं। साथ ही, शायद, इस तथ्य में कुछ आकर्षक है कि दुनिया के अधिकांश लोग भूल बैठे हैं कि यह काम भी मौजूद हैं दृ निश्चित रूप से इसका ब्योरा किसी वेबसाइट पर नहीं है दृ इसलिए जब आपको अचानक इनके दर्शन का सौभाग्य मिले तो आपके दिमाग में विचार उमड़ते हैं। हां, अगर यह पेंटिंग्स आपकी अपनी निजी जगह पर होती तो इनको निहारते हुए आप नववर्ष जैसे विशेष अवसर पर एक–दो समोसों का लुत्फ ले सकते थे। आखिरकार, सामने की दीवार पर भूपेन खाखर का जो काम लटका हुआ है, उसका शीर्षक भी है 'कसौली में नाश्ता'। खाने के शौकीनों को निश्चित रूप से इस आइडिये से खुशी होगी। और भी बहुत कुछ है। इस इमारत को बीपी माथुर ने डिजाइन किया था, वह वास्तुकार, जिन्होंने विश्वविद्यालय के मुख्य वास्तुकार–योजनाकार पियरे जिएनेरे के साथ काम किया था। संग्रहालय में समकालीन दिग्गज कलाकारों के संग्रह में लगभग 1,200 कलाकृतियां है, इनकी सेवा–संभाल चंडीगढ़ के प्यारे बेटे और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कला इतिहासकार, बीएन गोस्वामी के अलावा और कौन कर सकता था, जो एक साल पहले, अपने निधन तक, द ट्रिब्यून के लिए एक काफी पठनीय कॉलम लिखा करते थे। इसके अलावा, अब जबकि मैं भी सिटी ब्यूटीफुल की पहचान धारी कार्ड सदस्य हूं, मुझे अहसास होता है कि मैं इतिहास और संस्कृति, दोनों की, मौजूदगी में हूं। कुलविंदर तेजी से अंदर आता है। उनकी कुछ गुस्सैल हरकतें गैलरी की ठंडी हवा में हलचल कर देती हैं– अब तक तो वहां सिर्फ मैं और दिग्गज कलाकार थे। रामचंद्रन की पेंटिंग में चर्च में चिंतन करने में मग्न भिक्षुओं की पेंटिंग देखकर ऐसा लगता है मानो आंद्रेई रुबलिएव के स्टाइल से प्रेरित हो। अटेंडेंट, जो रिसेप्शन एरिया में हीटर पर अपने हाथ गर्म करना पसंद करती है, मुझे बताती है, 'काफी लोग आते हैं म्यूजियम में, हर दिन कम–से–कम 10–12 लोग।' मैं कुलविंदर से पूछती हूं कि क्या यहां कोई गाइड है। वह तल्खी से जवाब देता है : 'मुझे नहीं पता, मैं टेक्निकल डिपार्टमेंट से हूं।' अगर चंडीगढ़ आज वह है जो 40 साल पहले दिल्ली हुआ करती थी, तो आप इसके म्यूजियम के हालात की कल्पना कर सकते हैं दृ सरकारी उदासीनता के तले छिपे हुए रत्न। सेक्टर 10 में स्थित सरकारी संग्रहालय और आर्ट गैलरी, जिसे ली कॉर्बूजिए ने स्वयं डिजाइन किया था, वहां लकड़ी का बहुत बड़ा दरवाजा है जो एक ही धुरी पर घूम सकता है दृ ऐसे बड़े–बड़े दरवाजे आप हरियाणा–पंजाब विधानसभा के संयुक्त भवन में भी देख सकते हैं, जिसे ली कॉर्बूजिए ने कैपिटॉल कॉम्प्लेक्स के एक छोर पर डिजाइन किया था, जो कि अपने–आप एक शानदार परिसर है। होना तो यह चाहिए था कि सर्दियों की धूप का आनंद लेते लोगों और मूंगफली बेचने वालों से सजा नयनाभिराम दृश्य देखने को मिलता, लेकिन इसके बजाय इसे सुरक्षा के नाम पर एक अति विशेष क्षेत्र में बदल दिया गया है, जिसका अर्थ है कि केवल वीवीआईपी और पंजीकृत आगंतुक ही वहां जा सकते हैं– लेकिन वास्तविक अनुभव तब शुरू होता है, जब आप कॉर्बूजिए के दरवाजे से सरकारी संग्रहालय में प्रवेश करते हैं। वहां उपलब्ध ब्रोशर सिर्फ फ्रेंच में हैं। (कॉर्बूजिए चूंकि स्विस–फ्रेंच मूल के थे, इसलिए ऐसा लगता है कि वहां से आए लोगों के वास्ते है।) मेरे साथ रैंप पर चलती गाइड– जिसका नाम गीतांजलि हैदृ ने बताया 'अंग्रेजी वाले खत्म हो चुके हैं।' एक दीवार पर मृणाल मुखर्जी द्वारा बनाई रस्सी से बनी एक खूबसूरत रचना लटकी हुई है, सिवाय इसके कि नीचे का हिस्सा घिसा हुआ है। आप पहली मंजिल पर पहुंचते हैं और कांस्य की कलाकृतियां, संघोल उत्खनन में मिले ऐतिहासिक अवशेष, गांधार की मूर्तियां और आगे के कमरों में सजी पहाड़ी पेंटिंग देखकर दंग रह जाते हैं। ऐसा लगता है कि आमतौर पर चंडीगढ़ के प्रथम नागरिक के रूप में जाने जाते एमएस रंधावा ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद राजाओं–जागीरदारों के कलात्मक संग्रहों को खंगाला होगा और उनसे अपना यह कीमती सरमाया छोड़ने का अनुरोध किया होगा ताकि कला संग्रहालय सुशोभित हो सके। इस तरह बीएनजी, जैसा कि उत्तर भारत के सभी लोग प्यार से बीएन गोस्वामी को बुलाते हैं, ने हमारी अपनी विरासत को समझने और बूझने में क्रांति ला दी। बेशक, हर कोई जानता है कि 1947 में देश विभाजन के समय गांधार की मूर्तियां भारत और पाक के बीच बांट दी गई थीं– लाहौर संग्रहालय ने 60 प्रतिशत रखी हैं, जबकि शेष कॉर्बूजिए के चंडीगढ़ संग्रहालय में हैं। इस तरह, मंद–मंद मुस्कुराते बुद्ध, उनके पदचिह्न वाला चट्टान का टुकड़ा, बुद्ध के बचपन के दृश्यों को दिखाने के लिए उकेरी गई एक खड़ी कलाकृति, जिसमें जब वे राहुल थे और वह दृश्य जब मां माया ने अपने इस प्रिय बेटे के बारे में एक सपना देखा था– सभी का चित्रण इसमें सिमटा हुआ है। मूर्तियों ने मुझे सीमा पार तक्षशिला के संग्रहालय की याद दिला दी। गैलरियां खाली हैं। परिचारक अखबार पढ़ समय काट रहे हैं। गाइड गीतांजलि ने मुझे बताया कि 'छात्रों सहित बहुत से लोग आते हैं', (एक स्कूली समूह हंसी–ठिठोली वाला शोर मचा रहा है) और कुछ विदेशी दर्शक हैं। जनवरी–सितंबर, 2024 का आंगुतक आंकड़ा बताता है कि कुल 27,839 टिकट बिके। अकेले पेरिस का लुवेरे म्यूजियम सालाना नब्बे लाख आगंतुकों को आकर्षित करता है, तो न्यूयॉर्क का मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम सत्तर लाख दर्शक और सेंट पीटर्सबर्ग का हर्मिटेज देखने 32 लाख लोग आते हैं (शीर्ष 100 सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले कला संग्रहालयों में एक भी भारतीय संग्रहालय नहीं है)। चंडीगढ़ संग्रहालय में कई सालों से पूर्णकालिक निदेशक नहीं है, वर्तमान में जो प्रभारी है वह एक उप–मंडलीय मजिस्ट्रेट भी हैं, वे छुट्टी पर थे क्योंकि उनकी शादी होने वाली थी। लेकिन जब गीतांजलि ने मुझे बताया कि सिकंदर महान समुद्र के रास्ते गांधार पहुंचे थे, तो मैं समझ गई, अब यहां से निकलना चाहिए। यह एलांते मॉल जाने का भी समय है, ताकि यह देखा जा सके कि चंडीगढ़ में वास्तव में क्या पसंदीदा है– संग्रहालय जैसी उबाऊ जगहों के विपरीत। शायद यूटी के गृह सचिव मंदीप बरार, जो अपने सिटी ब्यूटीफुल की पर्यटन संभावना को बेहतर बनाने के मिशन पर हैं, उन्हें एलांते के लोगों को अपनी टीम में जोड़ना चाहिए। उन्हें पता है रू लोगों को संग्रहालयों व कला दीर्घाओं में कैसे लुभाया जाए ताकि वे इतिहास व संस्कृति का भी आनंद ले सकें? शहर को मुक्त बनाएं। इसे माई–बाप वाली संस्कृति से छुटकारा दिलाओ। सुरक्षा के नाम पर भेद–भाव बंद हो। शहर सबके लिए एक बराबर हो। चंडीगढ़ बनाते वक्त के मूल विचार को पुनरू स्थापित करें,।

नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति गरीबों को मुंह चिढ़ा रही है

योगेंद्र

विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं।

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023–2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व–आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पत्ति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है। विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग–अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004–14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पत्ति

यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा–दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं। – जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है।

सृजन की धरा मथुरा

डॉ. नटवर

अनेक कवियों का नगर रहे मथुरा को लेकर आज कुछ धारणा अलग बनी है। कई लोगों को मथुरा में कवि और साहित्यकार दिखाई ही नहीं देते। सच तो यह है कि मथुरा हमेशा से हिन्दी के आधारभूत साहित्यकारों का गढ़ रहा है। रीतिकाल का कुछ समय ऐसा रहा है जब 'तिलक द्वार' से लेकर कंसखार तक का क्षेत्र विशेष रूप से मथुरा में महाकवियों की बस्ती रहा है। इस क्षेत्र में 'बिहारीपुरा' मोहल्ला लगभग इस क्षेत्र के मध्य में है। यहां अनेक प्राचीन श्रेष्ठ कवियों के आवास रहे हैं। पता चला कि रीति कालीन कवि बिहारीलाल अपने अन्तिम समय में जयपुर से मथुरा आकर इसी बिहारीपुरा में रहे थे। इसीलिए इसका नाम बिहारीपुर पड़ा। बिहारीपुरा से पूर्व की ओर 'मारू गली' है, मारू गली में 'उद्धव शतक' के रचनाकार जगन्नाथदास 'रत्नाकर' के काव्य गुरु, उद्‌भट कवि आचार्य नवनीत जी चतुर्वेदी का आवास है। ये रीति काल के अन्त में हुए हैं। जगन्नाथदास 'रत्नाकर' के अतिरिक्त महाकवि आचार्य गोविंद चतुर्वेदी, अमृतध्वनि छंद सम्राट कविवर रामलला आदि अनेक श्रेष्ठ कवि इनके शिष्य हुए हैं। बिहारीपुरा के दक्षिण में मोहल्ला 'चूनाकंकड़ है, इस मोहल्ले में महाकवि ग्वाल का आवास था। बिहारीपुरा के पश्चिम में छत्ताबाजार को पार करके 'ताज पुरा' है। यहां मुगल बेगम ताज का आवास था। ताज बेगम ब्रजभाषा की कृष्ण भक्त कवयित्री हुई हैं। इन्होंने वल्लभाचार्य जी के द्वितीय पुत्र गोस्वामी विट्ठलनाथ जी से दीक्षा ली थी। इन्होंने श्रीकृष्ण की भक्ति से युक्त अनेक पद और छंद लिखे हैं। बिहारीपुरा के उत्तर में रामजीद्वारा है, जहां महाकवि गोस्वामी तुलसीदास को श्रीकृष्ण के श्रीविग्रह में श्रीराम के दर्शन हुए थे। रामजीद्वारा के आगे अष्टछाप के कृष्ण भक्त कवि छीतस्वामी का आवास था, इनके वंशज आज भी वहां रहते हैं। इन कवियों के अतिरिक्त भी समय–समय पर इस क्षेत्र में अनेक कवि हुए हैं जिन्होंने भारती के भण्डार को भरा है। ब्रज विकास परिषद और मथुरा–वृंदावन नगर निगम को इस क्षेत्र का विकास एक साहित्यिक परिक्षेत्र के रूप में करना चाहिए। मारू गली और चूनाकंकड़ मोहल्लों के नाम क्रमशरू कविवर नवनीत जी और कविवर ग्वाल के नाम पर रखे जाने की मांग होती रही है। यथा स्थान सम्बन्धित कवियों के संक्षिप्त जीवन वृत्त शिलालेख के रूप में लगने चाहिए जिससे आगे आने वाली पीढ़ियों को उनके विषय में जानकारी मिलती रहे।

रामजी जायसवाल बनाये गये राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाज के लिये सदैव आवाज उठाने वाले रामजी जायसवाल को अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी दे दिया। यह मनोनयन महासभा के मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल,

वरिष्ठ संरक्षक पन्ना लाल जायसवाल, राष्ट्रीय संरक्षक किशोर जायसवाल, राष्ट्रीय संरक्षक रविन्द्र जायसवाल, मुख्य राष्ट्रीय प्रभारी पूरनचन्द झरवाल के अनुमोदन पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल गुजरात ने किया है। इसकी जानकारी होने पर जौनपुर सहित उत्तर प्रदेश के अलावा देश के तमाम प्रदेशों के स्वजातीय बंधुओं ने श्री जायसवाल को बधाई दिया। साथ ही महासभा हाईकमान के इस निर्णय की सराहना भी किया। बता दें कि श्री जायसवाल उत्तर प्रदेश के जौनपुर नगर के मूल निवासी हैं जो राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र तेजस टूडे के समूह सम्पादक हैं और पिछले 26 वर्षों से पत्रकारिता क्षेत्र में रहकर समाज के दबेकुचले लोगों की आवाज को बुलन्द कर रहे हैं। बता दें कि श्री जायसवाल सम्पादक मण्डल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं गोमती जर्नलिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक हैं।

संस्कार भारती द्वारा पद्मश्री बाबा योगेंद्र जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। संस्कार भारती जौनपुर के तत्वाधान में संस्कार भारती के संस्थापक स्व.श्रद्धेय बाबा योगेंद्र जी की जन्मशती के अवसर पर ईशा हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का आयोजन कार्यक्रम संयोजक मयंक नारायन व आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी श्री ज्ञान प्रकाश सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ.गोरखनाथ पटेल और प्रधानाचार्य बीआरपी इंटर कॉलेज श्रीप्रमोद श्रीवास्तव जी ने फीता काटकर संयुक्त रूप से किया। उक्त रक्तदान कार्यक्रम में संस्था के मयंक नारायन ने 37 ऋषि श्रीवास्तव 20 वीं, और राजेश किशोर ने 25 वी बार रक्तदान किया। कुल 25 सहयोगियों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर निर्मल श्रीवास्तव प्रबंधक, ईशा हॉस्पिटल,संस्थाध्यक्ष डा. ज्योति दास सुजीत कुमार, प्रांत महामंत्री, ऋषि श्रीवास्तव, सदस्य प्रांत कार्यसमिति,विष्णु गौड़ ,ज्योति श्रीवास्तव , साक्षी श्रीवास्तव,मनीष अस्थाना, राजकमल ,मनीष सोमवंशी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। डा ज्योति दास ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्त दान , महादान है , संस्था द्वारा ऐसे कार्यक्रमों से समाज के जरूरत मन्द लोगों को सहायता प्रदान किया जाता है। सभी रक्तदाताओं को संस्था द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ईशा हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ स्मिता श्रीवास्तव,संस्कार भारती के महामंत्री अमित गुप्ता ने सभी सहयोगियों और रक्तदाताओं का धन्यवाद व्यक्त किया।

अपर निदेशक वाराणसी मंडल नीता कुलश्रेष्ठ ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर निदेशक वाराणसी मंडल नीता कुलश्रेष्ठ मंगलवार की सुबह अचानक अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला अस्पताल में धमक पड़ी औचक निरीक्षण से लोगों में हड़कम्प मचा रहा। मरीजों से मिलकर उनको सरकार से मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। ठंड से मरीजों को राहत पहुंचाने के क्या इंतजाम किए गए है। इसके बारे में भी जानकारी ली। जिस भी वार्ड में पहुंची वहा हर मरीज के पास लाल कलर का कम्बल था। कम्बल काफी साफ सुथरा था। अपर निदेशक ने ड्यूटी पर तैनात डाक्टर व नर्स से भी बात की। अपर निदेशक ने सर्जिकल वार्ड इमरजेंसी वार्ड मेडिकल वार्ड व अन्य दवाओं के काउंटर नंबर 8 को चेक किया।पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने सीएमएस को निर्देश दिया कि गेट पर अलाव की व्यवस्था हो। जिससे की मरीज के परिजनों को ठंड से राहत पाने में आसानी हो। सरकार द्वारा गरीबों के लिए चलाए जा रहे सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए निरीक्षण किया। अस्पताल में दावाओ को क्या स्थिति है इसके बारे में भी चीफ फार्मासिस्ट कौशल पांडे से जानकारी लिया।वही पर सीएमएस के के राय को भी आवश्यक निर्देश भी दिया। वही पर मरीजों को दवा , इलाज सुविधा को लेकर पूछताछ भी किया गया। साथ साफ सफाई को लेकर भी विशेष निर्देश दिया गया। लगभग आधे घंटे के निरीक्षण के दौरान सब कुछ सामान्य मिला।

शासनादेश के अनुपालन में स्टाम्प कमी के वादों में समाधान योजना 31 मार्च 2025 तक प्रभावी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) ने अवगत कराया है कि शासनादेश के अनुपालन में स्टाम्प कमी के वादों में समाधान योजना 31 मार्च 2025 तक प्रभावी किया गया है, जिसमें मात्र रु. 100.00 टोकन अर्थदण्ड पर वाद का निस्तारण किये जाने का निर्देश दिया गया है। तत्क्रम में न्यायालय जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) एवं सहायक आयुक्त स्टाम्प, जौनपुर के न्यायालय में लम्बित स्टाम्प वादों के पक्षकारो को अवगत कराया जाता है कि यदि आप कमी स्टाम्प की धनराशि मय ब्याज जमा करने हेतु इच्छुक है, तो एक पक्ष के अन्दर संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर अपना सहमति पत्र/प्रार्थना पत्र देकर अपने विरुद्ध संचालित स्टाम्प वाद उपरोक्त धनराशि के साथ टोकन अर्थदण्ड रु0 100.00 जमा करते हुए निस्तारित करा लें तथा उक्त समाधान योजना का लाभ उठायें।

बुजुर्ग की हत्या पुलिस अधीक्षक ने किया घटना स्थल का निरिक्षण

ब्यूरो सुलतानपुर

सुलतानपुर। कोतवाली नगर क्षेत्र के डिहवा हनीफ नगर में बुजुर्ग की हत्या के बाद पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा ने घटनास्थल पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथौड़ी कब्जे में ली अन्य सबूतों का संकलन उसे जांच के लिए भेज दिया है वहीं अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए तमाम स्थानों पर दबिश दिया जा रहा है घटना स्थल पर पहुँचने के लिए एस्कॉर्ट को जाम से जूझना पड़ा।

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि /ब्लाॅक प्रमुख बल्दीराय ने संपर्क मार्ग का किया उद्घाटन

ब्यूरो सुलतानपुर

सुल्तानपुर। लोगों को सुचारु आवागमन में किसी भी प्रकार समस्या न हो,इसके लिए न सिर्फ नए संपर्क मार्गों का निर्माण कराया जा रहा है,बल्कि क्षतिग्रस्त मार्गों को भी दुरुस्त किया जा रहा है। विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यह बातें मंगलवार को जयसिंहपुर विकास खंड के गौरा गांव में बने सीसी रोड़ का उद्घाटन करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार सिंह ने कहीं।उन्होंने कहा कि शीघ्र ही ऐसे संपर्क मार्गों को चिह्नित कराकर उनको दुरुस्त कराया जाएगा, जो बरसात के चलते क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मालूम हो कि जयसिंहपुर विकास खंड के गौरा गांव में लगभग 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड का निर्माण कराया गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार सिंह ने कहा कि इस सीसी मार्ग के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में आसानी होगी। कहा कि जो मार्ग बरसात में क्षतिग्रस्त हो गए हैं,शीघ्र ही इनकी मरम्मत भी कराई जाएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला पंचायत की ओर से कराए जा रहे विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।कहा कि प्रदेश सरकार हर गांव में सड़कों का जाल बिछाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य पवन कुमार, प्रधान सुरेश गौतम, पप्पू यादव, शिवराज प्रजापति, हरिराम वर्मा,राजमणि तिवारी आदि मौजूद रहे।

प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश केसरवानी वैश्य समिति जिसका मुख्यालय श्री केसरवानी वैश्य धर्मशाला पुरानी अजही मिर्जापुर में है, की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक दिनांक 5 जनवरी 2025 को लखनऊ के हजरतगंज स्थित होटल चरण प्लाजा में संपन्न हुई जिसमें प्रदेशभर से कार्यकारिणी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मिर्जापुर निवासी श्री अशोक कुमार केसरवानी प्रदेश अध्यक्ष द्वारा किया गया। बैठक में सामाजिक एक जुटता एवं केसरवानी समाज का राजनीतिक में भागीदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम संयोजक श्री बृजेश केसरवानी लखनऊ निवासी को प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। इसी क्रम में श्री अमित केसरवानी, श्री गुंजन केसरवानी तथा श्री कृष्ण चंद्र केसरवानी को मंत्री पद से शोभित किया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री बृजेश जी केसरवानी एवं गिरिश जी केसरवानी का विशेष योगदान रहा। बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अशोक केसरवानी मिर्जापुर, उपाध्यक्ष श्रीकांत केसरवानी, श्री कृष्ण चंद्र केसरवानी, रामबाबू केसरवानी ,शंकर लाल केशरवानी, जसरा से एवं बलिया, प्रयागराज, वाराणसी ,जसरा ,पूर्व जज श्री बाबूलाल केसरवानी लखनऊ के भाजपा मंडल उपाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, कैलाश केसरवानी, मोहित केसरवानी, आलोक केसरवानी, राम केसरवानी, ओमप्रकाश केसरवानी, अधिवक्ता अशोक केसरवानी, मधु केसरवानी, द्रौपदी केसरवानी, विजय केसरवानी, मोहिनी केसरवानी, हर्ष केसरवानी, दिलीप केसरी, राजेश केसरवानी, अमर केसरवानी, प्रहलाद केसरी, जयप्रकाश केसरी, कौशल केसरवानी, संजय केसरवानी, डॉ के जी गुप्ता, सुधीर केसरवानी, महिला प्रदेश अध्यक्ष मालती केसरवानी, मंत्री शालिनी केसरवानी उपस्थित रही।

'गंदे जलभराव की समस्या से जूझ रहे पाली कस्बे समेत कई गांवों के लोग'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' पाली कस्बे के मोहल्ला आजाद नगर में पाली बैरियर से सांडी खेड़ा मार्ग पर जल भराव की समस्या काफी दिनों से जस की तस बनी हुई है। पाली में बैरियर के पास जब से रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण कार्य शुरू हुआ तभी से जलभराव की समस्या बनी हुई है। जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस गंदे पानी से मच्छरों आदि जहरीले कीड़ों के पनपने का लोगों में भय व्याप्त है। पाली नगर समेत कई गांवों का इस रोड से आवागमन रहता है। सड़क पर अत्यधिक पानी भरा होने के कारण राहगीरों का निकलना मुश्किल हो रहा है। इसी मार्ग पर कई स्कूलों के नन्हें मुन्ने बच्चों का भी आवागवन रहता है। सभी स्कूली बच्चों को इसी गंदे पानी से गुजर कर स्कूल जाना पड़ रहा है। कई बार स्कूली बच्चे एवं कई वाहन इसी गंदे पानी में गिर भी चुके हैं। यह व्यस्ततम मार्ग पाली से भरखनी ,अनंगपुर, बाबरपुर, पैंतापुर, मुड़रामऊ आदि गांवों को जोड़ता है। इस मार्ग से गुजरने वाले सभी लोगों को गंदे पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। इस जलभराव की समस्या को लेकर कस्बे सहित कई गांवों के लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

संघर्ष 2025 इंटर आईआईएम खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश। लखनऊ के आईआईएम कॉलेज में आयोजित में आयोजित संघर्ष स्पोर्ट्स अकादमी के बैनर तले इंटरामुरल खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस खेल प्रतियोगिता में देश के प्रतिष्ठित लखनऊ आईआईएम, अहमदाबाद आईआईएम, बैंगलोर आईआईएम तथा कोलकाता की आईआईएम के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता की उद्घाटन पर प्रोफेसर अर्चना शुक्ला प्रोफेसर अजय कुमार गर्ग,डीन फैकेल्टी प्रोफेसर विकास श्रीवास्तव, प्रियंका शर्मा, सुरेश जफर जीएस तिवारी गुरुजी, शैलेंद्र श्रीवास्तव, शत्रुघ्न लालतथा संजीव बक्शी इस अवसर पर उपस्थित होकर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। संघर्ष स्पोर्ट्स अकैडमी के अध्यक्ष विजय हाली तथा दीपक गिरी ने इस अवसर पर पैरा ओलंपिक खिलाड़ी सिमरन शर्मा को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में देशभर से आए आईआईएम के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो खो, स्नूकर तथा पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। ओवरऑल में आईआईएम लखनऊ प्रथम स्थान पर, आईआईएम अहमदाबाद दूसरे स्थान पर, आईआईएम बैंगलोर तीसरे स्थान पर तथा चौथे स्थान पर आईआईएम कोलकाता रहा। प्रतियोगिता के अधिकारी अरविंद ने बताया की और पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में 59 किलोग्राम में निशांत ने प्रथम स्थान रवि स्वरूप ने दूसरा स्थान, 74 किलोग्राम में मोनू ने प्रथम तथा अमित सिंह ने दूसरा स्थान, 66 किलोग्राम में नीलमने प्रथम अमित गिरि ने दूसरा स्थान, 83 किलोग्राम में उत्कर्ष ने प्रथम स्थान तथा दूसरा स्थान अभिनव कालरा ने प्राप्त किया स्ट्रांग मैन का खिताब नीलम ने जीता स्ट्रांग वूमेन का खिताब जयंती ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संचालन प्रोफेसर अर्चना शुक्ला द्वारा किया गया अंत में उन्होंने सभी सहयोगियों तथा खिलाड़ियों का आभार प्रकट किया।

श्रीमद् भागवत आज के समय की मांग है : व्यास कमल लोचन प्रभु

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अंतर्राष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) जौनपुर द्वारा सिद्धार्थ उपवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन भक्ति और आध्यात्मिकता से परिपूर्ण वातावरण देखने को मिला। भव्य संकीर्तन यात्रा के बाद कथा व्यास कमल लोचन प्रभु जी (अध्यक्ष, इस्कॉन मीरा रोड‌मुंबई एवं वापीकृगुजरात) ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं और भक्तियोग के महत्व पर प्रकाश डाला। कमल लोचन प्रभु जी ने कहा, यूक्रेन, इजरायल, बंगलादेश और संभल की घटनाएं और दुनिया भर में कई अन्य घटनाएं एक ईश्वरविहीन सभ्यता की रचनाएं हैं और समय की मांग है कि उनका प्रतिकार किया जाए क्योंकि यह प्रवृत्ति समग्र मानवता के लिए बहुत हानिकारक है। यह कोई दिलचस्पी का सवाल नहीं है कि श्रीमद् भागवत के पन्नों में वर्णित विषयों में किसी की रुचि हो या न हो, लेकिन फिर भी उन्हें एक पुरानी बीमारी के इलाज के लिए दवाओं की खुराक के रूप में निगलना होगा। उन्होंने कहा कि समाज व्यवस्था में जिम्मेदार पदों पर आसीन सज्जनों, जैसे कि सभी प्रशासक, सभी व्यवसायी, सभी मिल मालिक, सभी उद्योगपति, सभी कृषक, सभी शिक्षाविद आदि से सादर अनुरोध

है कि वे सामूहिक रूप से अथवा अलग–अलग अपनी शक्ति, धन, बुद्धि और वाणी द्वारा सम्पूर्ण विश्व में भगवान की भक्ति का व्यापक प्रचार–प्रसार करें। उन्होंने आगे कहा किसी विधायी कार्यवाहियाँ या राज्य का ऐसा ही कोई दबाव, गुमराह नागरिक के पतित हृदय को तब तक नहीं बदल सकता जब तक कि वह अपने स्वयं के दिव्य स्वभाव से जागृत न हो जाए। इसलिए व्यक्ति के भीतर सुप्त दिव्य स्वभाव को जागृत करना आवश्यक है, अन्यथा सभी बाह्य योग्यताएँ मृत शरीर की सजावट मात्र रह जाएँगी। रामबाण उपाय यह है कि ईश्वर से प्रेम करना सीखें। एक झूठे ईश्वर की रचना करना या कल्पना द्वारा एक झूठे ईश्वर बन जाना, ईश्वर से प्रेम करने और ईश्वर में रुचि रखने की तुलना में बहुत ही घटिया कार्य है। उन्होंने कहा कि भगवान के प्रति शुद्ध प्रेम स्वतः ही मनुष्य को सभी ऋषि गुणों से युक्त बना देता है, जबकि भगवान के प्रति ऐसे शुद्ध प्रेम के अभाव में, सभी सांसारिक गुण सर्प के सिर पर मणि के समान प्रतीत होंगे। ऐसी योग्यताएँ निश्चित रूप से माया नामक मायावी प्रकृति के हाथों में औजार बन जाएँगी। दूसरे दिन की शुरुआत हरि नाम संकीर्तन यात्रा से हुई, जिसमें इस्कॉन के भक्तों ने नगर की गलियों में भजन–कीर्तन करते हुए भगवान के नाम का प्रचार किया। संकीर्तन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया। दूसरे दिन के यजमान नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन और माया टंडन रहे। संयोजक डा. क्षितिज शर्मा ने सभी भक्तजनों से अपील की है कि वे इस पवित्र कथा में सम्मिलित होकर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा प्राप्त करें और अपने जीवन को आध्यात्मिकता से भरें।

आर.आर.ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स ने स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आर० आर० ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स बी०के०टी० लखनऊ के चेयरमैन अनिल कुमार अग्रवाल की प्रेरणा से श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल लखनऊ एवं हरि ओम सेवा केन्द्र के समन्वित सहयोग से संस्थान के कैम्पस में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन संस्थान के सचिव चित्रांशु अग्रवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो० (डॉ०) सूर्य प्रकाश त्रिपाठी डीन एकैडमिक श्री दुर्गेश वर्मा डीन स्टूडेंट वेलफेयर श्री विकास सिंह

हॉस्टल वार्डेन श्री महेन्द्र सिंह तथा समस्त संकाय सदस्य भी मौजूद रहे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल की तरफ से डॉ० सपना वर्मा, डॉ० रागिनी सिंह एवं विवेक सिंह आदि की मौजूदगी में आर० आर० ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन्स के छात्र‌छात्राओं संकाय तथा स्टाफ सदस्यों द्वारा 42 यूनिट रक्तदान किया गया। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गए।

टीम एजी द्वारा निराश्रित मृतक परिवार को पहुंचाई गई मदद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संस्था नीशू वेलफेयर फाउंडेशन एवं मां गायत्री जन सेवा संस्थान द्वारा जनमानस के सहयोग से निराश्रित परिवार को मदद पहुंचाई गई। इस परिवार में 20 वर्षीय इकलौते बेटे की मृत्यु 31 दिसंबर को हो गई थी जनमानस के सहयोग से परिवार ने बेटे का अंतिम संस्कार किया। मृतक के पिता की मृत्यु पूर्व में हो चुकी है और घर में मां पांच बेटियों के साथ रहती हैं जो घर का झाड़ू पोछा करके बच्चों का पालन पोषण कर परिवार चलाती हैं। मृतक के अंतिम संस्कार के समय गुलाला घाट पहुंचकर समाजसेवी अरुण प्रताप सिंह ने परिवार को यथासंभव मदद के लिए आश्वस्त किया था। अतः आज दिनांक 8 जनवरी को शकुंतला यूनिवर्सिटी के पास मृतक परिवार के घर पहुंचकर गुंजन वर्मा,अरुण प्रताप सिंह के द्वारा दो महीने का संपूर्ण राशन,परिवार के सभी सदस्यों को 8 सेट नए कपड़े,10 कंबल,5 स्वेटर और राशन में 40 किलो चावल,40किलो आटा,6किलो दाल,5किलो चीनी,4लीटर सरसों तेल,1किलो छोला चना,1किलो मसूर दाल,1पैकेट गर्म मसाला,250ग्राम धनिया,250हल्दी,250मिर्च,जीरा, 250ग्राम सोयाबीन,बीस बट्टी नहाने धोने का साबुन,1किलो निरमा,250ग्राम चाय की पत्ती,1बंडल बिस्किट,2किलो नमक आदि प्रदान किया गया। इस सामाजिक कार्य में विशेष सहयोग क्षत्रिय समाज के नेता सूर्यपाल सिंह,पंडित अनुराग मिश्रा शास्त्री,संगीता सिंह शाक्य,मो. इमरान खान,लोकगायिका नूतन पाण्डेय,तृप्ति पांडे,आकाश शर्मा,किरण फाउंडेशन विशाल जनकदुलारी मौर्य उपस्थित रही।

सोनाटा फाइनेंस कम्पनी के एजेंट के साथ दो बाइक पर सवार चार बदमाशो ने असलहे के बल पर 55 हजार लूट का फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सुरेरी थाना अन्तर्गत मंगलवार को सोनाटा फाइनेंस कम्पनी के एजेंट के साथ दो बाइक पर सवार चार बदमाशो ने असलहे के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया। एजेंट सुरेरी थाना क्षेत्र के सुरेरी गांव से किस्त लेकर जैसे ही गांव मे स्थित कोठिया की बारी चौराहे के पास पहुंचा था की पीछे की तरफ से पहुँचे अज्ञात पल्सर एवं अपाचे मोटरसाइकिल सवार अज्ञात चार बदमाशों ने फाइनेंस कंपनी के एजेंट को रोककर रुपयों से भरा बैग छीनने लगे। विरोध करने पर असलहे की बट से प्रहार कर उसके साथ मारपीट की एजेंट के बैग में किस्त का रखा 55000 रुपये नगदी समेत एक कीमती मोबाइल लूट कर मौके से फरार हो गए। घायल पीड़ित युवक ने आनन फानन में एक राहगीर की मोबाईल से 112 पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एजेंट को अपने साथ लेकर बदमाशों की खोजबीन में जुट गई लूट की सूचना मिलते ही थाना सुरेरी पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई।पीड़ित एजेंट से पूरे घटना की जानकारी लेते हुए बदमाशों की खोजबीन में जुट गई है।बताया जाता है कि जिस रास्ते से लुटेरे लूट की घटना को अंजाम देकर भागे थे उसी रास्ते पर कुछ पुलिसकर्मी भी खड़े थे। लेकिन जब तक पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते तब तक उनके सामने से बदमाश निकल गए।पीड़ित एजेंट सुदीश कुमार मौर्या ने घटना की लिखित शिकायत सुरेरी पुलिस को दिया है। सुदीश कुमार मौर्या सोनाटा फाइनेंस कंपनी में कार्य करता है जो एक समूह के रूप में महिलाओं को लोन देती है।जिसकी मासिक या साप्ताहिक किस्त कंपनी द्वारा लिया जाता है।बताया जाता हैंकि कंपनी द्वारा आसपास के क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं को समूह लोन देने का कार्य करती है जिसकी किस्त लेने के लिए कंपनी के एजेंट जाते रहते है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी है,जांच की जा रही है। थाने पर तहरीर प्राप्त है।

जटिल प्रक्रिया करके डॉक्टरों ने बचाई एक साथ तीन जान, गर्भवती महिला का सिकुड़ गया था दिल का वॉल्व

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्विद्यालय के लारी कार्डियोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने जटिल प्रक्रिया करके एक साथ तीन जान बचाने में सफलता हासिल की है। 35 किलोग्राम वजन की गर्भवती महिला के दिल का वॉल्व सिकुड़ गया था। महिला के पेट में जुड़वां बच्चे थे और वह सांस भी नहीं ले पा रही थी। लारी कार्डियोलोजी के प्रोफेसर डॉक्टर ऋषि सेठी ने बताया कि बाराबंकी से 6 महीने की गर्भावस्था वाली 28 वर्षीय महिला सांस की तकलीफ के साथ स्त्री एवं प्रसूति विभाग में आई थी। उसे कार्डियोलॉजी विभाग में रेफर किया गया। जांच करने पर पता चला कि उसके हृदय के एक वाल्व (माइट्रल स्टेनोसिस) में गंभीर संकुचन है। इलाज के लिए महिला को बैलून माइट्रल वाल्वोटॉमी की जरूरत थी। तीन जीवन को बचाने के लिए संभावित खतरों के साथ मरीज का ऑपरेशन करने का निर्णय ले लिया गया। यह प्रक्रिया सफल रही और महिला और दोनों भ्रूण सही सलामत हैं। यह प्रक्रिया डॉ ऋषि सेठी के मार्गदर्शन में डॉ प्रवेश विश्वकर्मा द्वारा की गई। ऑपरेशन के दौरान गंभीर स्थिति को संभालने में डॉ मोनिका भंडारी, डॉ प्राची शर्मा, डॉ गौरव चौधरी, डॉ अखिल शर्मा और डॉ उमेश त्रिपाठी ने सहायता प्रदान की। प्रसूति विभाग से रोगी की देखभाल प्रो अमिता पाण्डे, प्रो अंजू अग्रवाल, प्रो शालिनी एवं प्रो नम्रता द्वारा की गई। केजीएमयू कुलपति केजीएमयू प्रो सोनिया नित्यानंद ने पूरी टीम को बधाई दी है। डा प्रवेश विश्वकर्मा के मुताबिक पेट में जुड़वां भ्रूण के साथ ही कम वजन (35 किलोग्राम), खून की कमी (एनीमिया), हेपेटाइटिस सी संक्रमण (जिससे ऑपरेटरों को संक्रमण फैलने का खतरा था) ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया।

हृदय रोगी महिलाओं के लिए गर्भावस्था खतरनाक

डा ऋषि सेठी के मुताबिक हृदय रोगी के लिए गर्भावस्था जानलेवा है। यह भ्रूण की हानि के साथ–साथ मातृ मृत्यु का एक बड़ा कारण है। इसी वजह से कुछ हृदय रोग में गर्भधारण वर्जित है। इसके बावजूद हृदय रोग से पीड़ित कई गर्भवती महिलाएं गर्भावस्था के उन्नत चरण में हमारे पास आती हैं। ऐसे में हृदय की स्थिति के साथ उनकी गर्भावस्था का प्रबंधन करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है।

विपन्न योजना से हुआ इलाज

महिला की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी इस वजह से उसे विपन्न योजना के तहत निशुल्क इलाज दिया गया। गर्भावस्था की अवधि पूरी होने पर उसका प्रसव कराया जायेगा।

घने कोहरे के साथ पड़ रहा पाला, आलू और सब्जी की फसलों को नुकसान होता तय

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इसके साथ ही घने कोहरे के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना कम हो गया है। दृश्यता लगभग शून्य है। सोमवार को प्रदेश के सभी जिले घने कोहरे में ढके नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार अभी एक दो दिन ऐसे ही हालात बने रहेंगे। रायबरेली में घने कोहरे के साथ पाला पड़ रहा है, इससे आलू और सब्जी की फसलों को बहुत अधिक नुकसान होना तय है। जिला प्रशासन ने इसे लेकर दो दिन पहले ही कृषि विभाग को निर्देश दिए थे कि वह किसानों के लिए गाइडलाइन जारी करें। जिले में पांच दिन से कोहरा होने के साथ कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। सोमवार को कोहरा इतना घना रहा कि दृश्यता पांच मीटर रही। कोहरे के कारण लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी

सोमवार की सुबह कोहरे में लिपटी रही। कोहरे के कारण लोगों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है साथ ही ठिठुरन भरी हवा चलने के कारण मौसम सर्द रहा।

कोहरे व सर्दी से जनजीवन अस्त–व्यस्त

कड़ाके की ठंड से रविवार को जनजीवन अस्त–व्यस्त रहा। सर्द हवाओं से लोग जूझते नजर आए। गलन बढ़ने के साथ ही कोहरे से लोगों के कदम ठिठके रहे। सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। आसमान में धुंध छाई रही। इससे दृश्यता 30 मीटर ही रही। दिन में भी लोगों को वाहन की लाइट जलाकर चलना पड़ा। शहर में जगह–जगह लोग अलाव तापते नजर आए। चाय की दुकानों पर भीड़ जुटी रही।

कोहरे के चलते रेल यातायात भी प्रभावित रहा। कई ट्रेनें बिलंब से चलीं, इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे स्टेशन पर ठंड से बचाव के इंतजाम भी नाकाफी रहे। बस स्टॉप पर भी यात्रियों को परेशानी हुई। कोहरे के चलते वाहनों की रफ्तार थमी रही। शहर में अलाव का इंतजाम दिखा लेकिन कई जगह अलाव नहीं जलवाया गया।

कोहरे व ठंड से जन जीवन अस्त व्यस्त

घने कोहरे और गलन से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। रात से शुरू हुआ कोहरा सोमवार सुबह तक और घना हो गया। स्थिति यह रही कि रोड के किनारे वाहन चालक गाड़ी खड़ी कर कोहरा छंटने का इंतजार करते दिखे। कोहरा कहीं पर कम तो कहीं पर ज्यादा दिखा पर ज्यादातर जगहों पर दृश्यता 10–15 मीटर की रही। कोहरे का असर रेल संचालन पर भी दिखा। दूर से आने वाली कई ट्रेनें देरी से स्टेशन पर पहुचीं। मौसम विभाग के अनुसार अभी एक दो दिन ऐसे हालत बने रह सकते हैं।

पुलिस भर्ती बोर्ड पर पहुंचे सैकड़ों अभ्यर्थी, तीन साल पहले हुई भर्ती का परिणाम घोषित करने की मांग की

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के विधानसभा मार्ग स्थित पुलिस भर्ती बोर्ड पर सोमवार को सैकड़ों की संख्या में अभ्यर्थी एकत्र हुए और धरना दिया। अभ्यर्थी तीन साल पहले हुई रेडियो ऑपरेटर भर्ती का परिणाम घोषित करने की मांग कर रहे थे। अभ्यर्थियों ने कहा कि तीन साल पहले हुई भर्ती का परिणाम जारी किया जाए। प्रयागराज से आए एक अभ्यर्थी शुभम ने बताया कि रेडिया ऑपरेटर की भर्ती के लिए जनवरी 2022 में विज्ञापन जारी किया गया था। परीक्षा होने के बाद जनवरी 2025 तक भी इसका परिणाम नहीं जारी किया गया है जबकि भर्ती को लेकर कोर्ट ने कोई रोक नहीं लगाई है। हम पांचवी बार यहां पर धरना दे रहे हैं। इसके पहले भी आए तो कहा गया कि कार्रवाई की जा रही है। अभ्यर्थी निधि ने बताया कि हम चार नवंबर को भी यहां आए थे तो आश्वासन दिया गया था कि दो महीने में कुछ सकारात्मक परिणाम निकलेगा लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ। हम परिणाम जारी करने की मांग कर रहे हैं। एक अन्य अभ्यर्थी ने कहा कि समय लगातार बढ़ते जाने से फिजिकल परीक्षा में मुश्किल होगी।

पैसे और ले लो, पर हिंदू धर्म में न करो वापसी तुम्हें मालामाल कर देंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। पैसे और ले लो पर हिंदू धर्म में वापसी न करो। तुम्हें मालामाल कर देंगे। गांव के अन्य लोगों का भी ईसाई धर्म में परिवर्तन करा दो। दो युवक एक व्यक्ति को यही बातकर धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास कर रहे थे। शिकायत पर पुलिस ने छापा मारकर रविवार को दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से पुलिस ने बाइबिल पुस्तक बरामद की है साथ ही चार पहिया वाहन को कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। हरचंदपुर थाना क्षेत्र के अजमतल्लागंज निवासी नन्हू सिंह ने पुलिस से शिकायत किया कि दो युवक उनके गांव आए हैं और रुपये का लालच देकर गांव के अन्य लोगों का ईसाई धर्म में परिवर्तन कराना चाह रहे हैं। मौके पर पुलिस पहुंची और दोनों युवकों को दबोच लिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के मुताबिक मिजोरम के 148 सेक्टर नियर एमएस हंटर बेंज आईजोल मुनिसिपल काउंसिल निवासी लालजेदांग और लखनऊ के नेवातिन टोला गोसाईगंज सरायं करोरा निवासी वनलाल्हुमा को पकड़ा गया है। इन दोनों आरोपियों ने दो साल पहले नन्हू का धर्म परिवर्तन करा दिया था। इधर नन्हू हिंदू धर्म फिर से अपनाना चाह रहे थे। इसकी जानकारी होने पर दोनों आरोपी गांव आए और नन्हू पर दबाव बनाने लगे कि वह हिंदू धर्म न अपनाएं। इसके बदले उन्हें और रुपये देंगे साथ ही पैसों का लालच देकर नन्हू से गांव के अन्य लोगों का धर्म परिवर्तन कराने की बात कही। नन्हू ने आरोपियो की बात मानने से इंकार कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों युवकों के खिलाफ विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। हिंदू धर्म से अच्छा नहीं कोई धर्म पीड़ित नन्हू का कहना है कि हिंदू धर्म से अच्छा कोई धर्म नहीं है। पैसे का लाचच देकर उन्हें हिंदू धर्म परिवर्तन करा दिया गया था। बाइबिल पुस्तक हाथ में रखकर लाल रंग का तरल पदार्थ पीने का दबाव बनाते थे। कहते थे कि जितने लोगों का धर्म परिवर्तन कराओगे, उतना पैसा दिया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के उद्देश्य बने अभाविप के राज्य विश्वविद्यालय सह संयोजक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सीतापुर में सम्पन्न हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 64वें प्रांत अधिवेशन में लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक हिंदी विभाग के छात्र उद्देश्य सिंह को अवध प्रान्त का प्रान्त राज्य विश्वविद्यालय कार्य सह–संयोजक का दायित्व सौंपा गया। उद्देश्य सिंह 2017 से विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस दायित्व के मिलने से पूर्व वह अवध प्रान्त के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। वह जनपद जौनपुर के मूल निवासी हैं। उनके इस मनोनयन से विद्यार्थी परिषद के कार्यों में और तेजी आएगी और उन्होंने कहा कि वे संगठन व छात्रों के हित के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे।

लखनऊ, सीतापुर सहित इन जिलों को मिलेगा लाभ

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में गोरखपुर–शामली हाईवे जल्द ही आकार लेते हुए दिखेगा। इसके लिए प्रारंभिक योजना तैयार कर ली गई है। नया हाईवे लखनऊ, सीतापुर व बरेली के उत्तर से होकर गुजरेगा। इसकी कुल अनुमानित लंबाई 700 किमी होगी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) शीघ्र ही सीमांकन का काम प्रारंभ करेगा। ये हाईवे प्रदेश के 15 जिलों से होकर गुजरेगा। इनमें से कई जिले विकास के लिहाज से अपेक्षाकृत पिछड़े माने जाते हैं। हाईवे के बनने से जहां आम लोगों को आवागमन की सुविधा होगी, वहीं व्यापार भी फलेगा–फूलेगा। इससे नेपाल सीमा की निगरानी भी आसान होगी। एनएचएआई सूत्रों के मुताबिक, यह हाईवे गोरखपुर से प्रारंभ होगा। महरागंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती होते हुए बहराइच तक आएगा। उसके बाद लखनऊ और सीतापुर के उत्तर से होते हुए लखीमपुर जिले के मध्य से गुजरेगा। इसी तरह से पीलीभीत होते हुए बरेली और मुरादाबाद के उत्तर से गुजरेगा। उसके बाद बिजनौर व मेरठ होते हुए शामली को जोड़ेगा। एनएचएआई सूत्रों का कहना है कि सीमांकन के बाद जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। जमीन की व्यवस्था होने पर निर्माण कार्य पूरा करने में करीब तीन साल का समय लगेगा। यहां बता दें कि सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बीच इस परियोजना।

डीजीपी के नाम पर फर्जी इंस्टाग्राम व यू–ट्यूब चौनल चलाने वाला गिरफ्तार, ऐंठ लिए थे 80 हजार रुपये

लखनऊ, (संवाददाता)। डीजीपी प्रशांत कुमार के नाम पर फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर जयपुर में हुए हादसे के नाम पर पैसे मांगने वाले जालसाज सहारनपुर नांगल के साधारण सीर गांव निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया। साइबर क्राइम सेल ने उसको सहारनपुर से पकड़ा है। आरोपी के पिता ताराचंद्र सेवानिवृत्त दरोगा हैं। साइबर क्राइम थाने में प्रभारी इंस्पेक्टर बृजेश यादव के अनुसार पूछताछ में आरोपी अमित ने बताया कि वर्ष 2022 में डीजीपी की तस्वीर का इस्तेमाल करते हुए फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी। उसके 67 हजार फॉलोवर हो गए थे। उक्त फर्जी आईडी को वेरीफाई कराते हुए ब्लू टिक भी ले लिया था। आरोपी अमित ने जयपुर कांड के पीड़ितों के लिए आर्थिक मदद मांग कर लोगों से 80 हजार रुपये ऐंठ लिए थे। इसके लिए क्यूआर कोड जारी किया था। यही नहीं डीजीपी के नाम पर फर्जी यूट्यूब चौनल बनाया था। पुलिस ने आरोपी के पास से आईफोन बरामद किया है। आईपी एड्रेस की मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंची। आरोपी अमित आईटीआई पास है। पुलिस ने आरोपी के बैंक खाते को सीज कर दिया है।

गांधी- आंबेडकर के विचारों के साथ तैयार हो रही युवक कांग्रेस, 28 जिलों के पदाधिारियों का शुरू हुआ प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। कांग्रेस नए तेवर और कलेवर में सियासी रणभूमि के लिए तैयार हो रही है। करीब दो दशक बाद महात्मा गांधी और डा. भीमराव आंबेडकर के विचारों को एक मंच पर लाकर भविष्य की सियासी रणनीति तैयार की जा रही है। इसके लिए युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सियासी और सामाजिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसकी शुरुआत रविवार को मध्य क्षेत्र के 28 जिलों के करीब 200 युवाओं से हो रही है। लखनऊ के बक्शी का तालाब स्थित एक रिसोर्ट में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का नाम रखा गया है युवा क्रांति बुनियादी प्रशिक्षण शिविर। रविवार को शिविर का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने ध्वजारोहण एवं बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन और संविधान रक्षा के संकल्प के साथ किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नफरती राजनीति के खिलाफ राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी के मोहब्बत के पैगाम को लेकर संघर्ष होगा। इसके लिए युवाओं की टीम तैयार हो रही है। यह टीम 2027 में प्रदेश की सियासत में नए अध्याय की शुरुआत करेगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं फ्रंटल संगठनों के प्रभारी विश्व विजय सिंह ने बताया कि शिविर में कांग्रेस की रीति नीति के लेकर राजनीतिक पहलुओं पर चर्चा की जा रही है। इसमें मध्य क्षेत्र के तीनों सांसद, प्रदेश प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारी युवाओं को प्रशिक्षण देंगे। जल्द ही अन्य जोन का भी प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। रविवार को युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव विनीत कम्बोज, मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष दीपक शिवहरे, अंकित तिवारी, सीताराम लाम्बा, सुमित अवस्थी, शिबी चौहान आदि मौजूद रहे। धरने में दम तोड़ने वाले किसान के घर पहुंचे अजय राय लखनऊ के रहीमाबाद में एयरपोर्ट अथारिटी द्वारा अधिग्रहित जमीन के मुआवजे को लेकर धरना दे रहे किसान जगमोहन सोनी की मौत की जानकारी मिलते ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय उनके आवास पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना जताई। आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार की हर स्तर पर मदद की जाएगी। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि मुआवजे के लिए किसान लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इसके बाद भी सरकार की ओर से सुध नहीं ली गई है। किसानों के हक के लिए कांग्रेस हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगी।

आठ वर्षीय बालिका तेंदुए के हमले में जख्मी, मां ने भिड़कर बचाई जान

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच जिले के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली वन रेंज के रमपुरवा बनकटी गांव निवासिनी सुंदरी (8) सोमवार की सुबह नित्यक्रिया के लिए उठी थीं। सुंदरी घर के बाहर ही पहुंची थी कि पहले से मौजूद तेंदुए ने हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से जख्मी बालिका को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। बालिका के पिता कृष्णानंद ने बताया कि बेटी को तेंदुए के जबड़े में देख मां शोर मचाते हुए तेंदुए से भिड़ गई। मां के संघर्ष और हांका लगाने से बेटी की जान बची। उन्होंने बताया कि सुंदरी के गले पर गंभीर घाव आए हैं। बेटी को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुजौली ले गए थे जहां चिकित्सकों के न होने पर एंबुलेंस कर्मियों ने प्राथमिक उपचार किया और फिर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोतीपुर ले जाया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हमले की सूचना तत्काल वन विभाग को दी गई थी लेकिन मौके पर कोई वन कर्मी नहीं पहुंचा। पूर्व में भी तेंदुआ बच्चों और मवेशियों पर हमला कर चुका है।

छुट्टी के दिन 500 मकान–फ्लैटों का पहली बार कर निर्धारण

लखनऊ, (संवाददाता)। रविवार को अवकाश के दिन विस्तारित क्षेत्र में आने वाली अवध विहार, जानकीपुरम विस्तार और गोमतीनगर विस्तार में आने वाली कॉलोनियों में 500 नए फ्लैट–मकान का गृहकर निर्धारण किया। इसके लिए नगर निगम की ओर से कॉलोनियों और अपार्टमेंट में विशेष तौर पर कैंप लगाए गए थे। नए और पुराने मकानों–फ्लैटों को मिलाकर कुल 953 लोगों ने 66 लाख रुपये गृहकर जमा किया। नगर निगम सीमा विस्तार के बाद जानकीपुरम विस्तार, गोमतीनगर विस्तार शहीद पथ से लगी अवध विहार कालोनी सहित अन्य कॉलोनियां नगर निगम में आ गई हैं। यहां से अब पहली बार नगर निगम टैक्स वसूल कर रहा है। इसके लिए गृहकर निर्धारण किया जा रहा है। इसके लिए रविवार को विशेष तौर पर कैंप लगाए गए। नगर निगम के मुख्यकर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने बताया करीब मकान व फ्लैट मिलाकर करीब 500 नए कर निर्धारण हुए हैं। नगर निगम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अपार्टमेंटों में कई जगह आवासीय समितियों की आपसी गुटबाजी सामने आई। यही हाल कॉलोनियों में भी रहा। एक आवासीय समिति कैंप लगवाने के लिए बुलाया तो दूसरे ने उसे लेकर विरोध भी किया। इसके कारण कुछ लोग ऐसे भी रहे जिन्होंने गृहकर निर्धारण नहीं कराया। इसी वजह यह है कि आवासीय समितियों जमकर आपस में खींचतान है।

कांग्रेस नेता के घर पकड़ी गई बिजली चोरी, मार्निंग रेड के दौरान मीटर से पहले कट का खुलासा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के हुसैनाबाद क्षेत्र में सोमवार सुबह शिया यूथ कांग्रेस नेता के घर में बिजली चोरी को पकड़ा गया है। शिया नेता के द्वारा यह बिजली चोरी मीटर से पहले आने वाले सर्विस केवल को काटकर उसमें अतिरिक्त तार को जोड़कर इस चोरी को अंजाम दिया जा रहा था। इस मामले में उनके खिलाफ पुलिस में एफआईआर कराई जाने की प्रक्रिया चल रही है। यह जानकारी देते हुए लखनऊ मध्य जोन मुख्य अभियंता रवि अग्रवाल ने बताया कि अधीक्षण अभियंता रमेश चंद पांडेय की अगवाई में सोमवार सुबह अधिशासी अभियंता चौक रमन एवं एसडीओ उपदेश अग्निहोत्री की टीम ने सुबह 5रू30 बजे छापे के दौरान हुसैनाबाद की सुरैया मंजिल इलाके में जांच शुरू की तो पाया कि सुरइया मंजिल हुसैनाबाद में अखिल भारतीय शिया यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अरफत आलम के आवास में विद्युत तार में बाईपास करके विद्युत चोरी की जा रही थी एवं मीटर में डिमांड भी कम पाई गया है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि शिया नेता के घर में कितने किलोवाट का विद्युत कनेक्शन था और मौके पर कितने लोड की बिजली चोरी की जा रही थी इस पूरे मामले की भी जांच कराई जा रही है।

हाथ सेंकते समय धमाके के साथ फटी भट्ठी, दो झुलसे

लखनऊ। बाजारखाला के गढ़ी कनौरा गुलजार नगर में रविवार को घर में आग सेंकते समय तेज धमाके के साथ भट्ठी फट गई। इससे दो लोग झुलस गए। हादसे से दीवार भी टूट गई और खिड़कियों के शीशे चटक गए। एक गाड़ी से दमकल कर्मियों ने 15 मिनट में आग बुझा ली। बाजारखाला के गढ़ी कनौरा गुलजार नगर निवासी इदरीश ने बताया कि कुछ समय पहले उन्होंने भट्ठी खरीदी थी। रविवार शाम चार बजे वह और जुबैर मकान में भट्ठी से हाथ ताप रहे थे, तभी भट्ठी से आग का गोला निकला। इसी बीच वे कुछ समझ पाते, तभी भट्ठी फट गई।

झाड़ियों में औंधे मुंह मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ के इटौंजा के कुंडापुर के पास सीतापुर हाईवे और रेलवे लाइन के बीच झाड़ियों में सोमवार की सुबह

लगभग 9:30 बजे एक अज्ञात युवक का शव पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर इटौंजा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इटौंजा प्रभारी निरीक्षक मार्कण्डेय यादव ने जानकारी देते हुए बताया है कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की है। शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

प्रदेश की राजनीति में भाषाई घमासान, निजी टिप्पणियों तक पहुंचा आशीष पटेल और पल्लवी पटेल का झगड़ा

लखनऊ, (संवाददाता)। पॉलीटेक्निक संस्थाओं में विभागाध्यक्षों के पद पर पदोन्नति के मुद्दे पर उठे विवाद में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल और सपा की बागी विधायक डॉ. पल्लवी पटेल आमने–सामने आ गए हैं। एक दिन पहले आशीष के बयानों पर पल्ल्लवी ने रविवार को तीखा पलटवार करते हुए आशीष पटेल को कड़े शब्दों में जवाब दिया है। उन्होंने खुद को सरदार बल्लभ भाई पटेल का वंशज कहने वाले आशीष तो पटेलों के इतिहास के जयचंद हैं। अगर कोई लौहपुरूष का असली वंशज है तो वह हैं राजबहादुर पटेल, जिन्होंने मंत्री द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने के बाद भी उनके लूट–खसोट के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। प्राविधिक शिक्षा मंत्री के ओएसडी रहे राजबहादुर पटेल ने ही सबसे पहले पदोन्नति में अनियमितता का सवाल उठाया था। इसके बाद उन्होंने ओएसडी के पद से हटाकर प्राविधिक शिक्षा विभाग निदेशालय से संबद्ध कर दिया गया था और हाल में उनका तबादला रामपुर कर दिया गया है। पदोन्नति घोटाला का खुलासा करने वाले राजबहादुर को मीडिया के सामने पेश करते हुए पल्लवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्राविधिक शिक्षा मंत्री राजबहादुर का उत्पीड़न कर रहे हैं, लेकिन पटेल समाज बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मंत्री के घोटाले को उजागर करने वाले पटेल समाज के व्यक्ति का उत्पीड़न नहीं रूका तो उनके नेतृत्व में कुर्मी समाज के लोग सड़क पर उतरेंगे। पल्लवी ने कहा कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार व घोटाले का खुलासा सबसे पहले आशीष पटेल के पूर्व ओएसडी राज बहादुर पटेल ने किया है। पेशे से यह उनके ही विभाग में शिक्षक हैं। इन्होंने पदोन्नति के लिए हुई डीपीसी पर शुरू से ही आपत्ति जताई थी। इनकी बात नहीं सुनी गई तो इस्तीफा भी दिया। अब तो इनके परिवार को भी धमकी दी जा रही है। हद तो तब हो गई जब अभी 1 जनवरी को इनको कारण बताओ नोटिस देते हुए ट्रांसफर कर दिया गया। सरकार को चुनौती देते हुए पल्लवी ने कहा कि अगर सरदार पटेल के वंशज के और मेरे समाज के किसी भी व्यक्ति को किसी भी पिछड़े को अगर प्रताड़ित किया गया तो कमेरा कुर्मी समाज सड़कों पर उतरेगा और सरकार को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी।

आशीष पटेल ने पल्लवी पर साधा निशाना सपा की बागी विधायक पल्लवी पटेल की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाए जाने के बाद आशीष पटेल ने भी रविवार रात में सोशल मीडिया के जरिये निशाना साधा। आशीष ने पल्लवी का नाम लिए बगैर लिखा कि प्रायोजित धरना मास्टर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद मेरे खिलाफ प्रायोजित षड्यंत्रों की पूरी पोल पट्टी खुल गई है। वह कुछ लोगों के इशारे पर मेरे खिलाफ बोल रही हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।